

**कार्यालय,  
राष्ट्रीय, प्राथमिक शिक्षा परिषद,  
उत्तर प्रदेश सरकार।**

संख्या- प्राथि/परिषद सम्बद्धता/2019/1132

संख्यका दिनांक: 15-5-2019

-कार्यालय द्वारा-

अखिल भारतीय राजकीय शिक्षा परिषद द्वारा वार्षिक सत्र 2019-20 हेतु विद्यार्थी सहायता सम्बन्धी शिक्षण संस्थाओं को अनुमोदन प्रदान किए जाने के उपरान्त प्राथमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश से सम्बद्धता/सम्बद्धता विचार प्रदान किए जाने हेतु दिनांक 14-5-2019 को आदेश प्राथमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश सरकार की अध्यक्षता में परिषद कार्यलय में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सत्र 2019-20 हेतु आवेदित गई संस्थाओं को सम्बद्धता/पूर्व से सम्बन्धित संस्थाओं का सम्बद्धता विचार/पाठ्यक्रम/प्रवेश क्षमता वृद्धि/अन्य हेतु सत्र 2019-20 हेतु सम्बद्धता प्रदान किये जाने का निर्णय लिया गया।

उक्त बैठक के अनुरोध में सम्बद्धता समिति की बैठक के म-17 में विद्यार्थी सत्र 2019-20 हेतु अनुमोदन करने वाली गई संस्था का प्रस्ताव रखा गया। सम्बद्धता समिति द्वारा तबल विचार-विमर्श का विचारना निर्णय लिया गया -

ऐसी नवस्थापित विद्यालय इन फार्मों संस्थाएं जिन्हें सत्र 2019-20 हेतु एडवाइंसीटीयुं द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया है, परंतु पीसीआईओ द्वारा अनुमोदन प्रदान नहीं किया गया है, एवं परिषद की निरीक्षण समिति द्वारा निरीक्षणोपरान्त एडवाइंसीटीयुं द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रमों के अनुरूप सत्र 2019-20 हेतु परिषद से सम्बद्धता प्रदान किये जाने हेतु संस्तुति प्रदान की गयी है। के संबन्ध में समिति द्वारा विचार-विमर्श किया गया एवं निर्णय लिया गया कि ऐसी संस्थाओं को पीसीआईओ अनुमोदन पत्र प्राप्त हो जाने के उपरान्त प्रथम वर्ष में प्रवेश के संबंध में बैठक आयोजित कर ही जाये जिससे संबंधित संस्थाओं को संतुल्य प्रवेश परीक्षा परिषद द्वारा आयोजित कठिनसिद्धि में सम्मिलित कराया जा सके।

अतः विद्यार्थी सहायता समिति द्वारा परिषद की निरीक्षण समिति एवं विचार-विमर्श द्वारा की गयी संस्तुति द्वारा सम्बद्धता समिति द्वारा किये गये निर्णय के अनुरोध पर प्राथमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सत्र 2019-20 हेतु विद्यार्थी सहायता के अर्थात् पाठ्यक्रम एवं प्रवेश क्षमता वृद्धि हेतु सम्बद्धता प्रदान की जाती है -

क्र.सं.	संस्था का नाम	संस्था का पता	पाठ्यक्रम का नाम	एडवाइंसीटीयुं/पीसीआईओ द्वारा सत्र 2019-20 में अनुमोदन प्रदान किया	परिषद द्वारा सत्र 2019-20 में अनुमोदन प्रदान किया
1	2104	शिक्षा अधिकारी की कार्यालय, शिक्षा, अंतर्गत, पूर्ण, प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तर, ए.डी. कार्यालय-113201	विद्यार्थी सत्र 2019-20	हां	हां

**सम्बद्धता हेतु नतीजा**

- ✓ सत्र 2019-20 हेतु एडवाइंसीटीयुं द्वारा निर्दिष्ट की गयी शर्तों का पूर्णतः पालन कराये।
- ✓ सत्र 2019-20 हेतु प्राथमिक शिक्षा परिषद एवं सत्र 2019-20 प्राथमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सत्र 2019-20 हेतु अनुमोदन प्रदान किया गया है।
- ✓ सत्र 2019-20 हेतु अनुमोदन प्रदान किया गया है।
- ✓ सत्र 2019-20 हेतु अनुमोदन प्रदान किया गया है।
- ✓ सत्र 2019-20 हेतु अनुमोदन प्रदान किया गया है।

याने शासनादेश प्रभावी होंगे, और तदनुसार कार्यवाही किया जाय्य आवश्यक होगा। वीस विंगल समिति द्वारा यदि सत्र 2019-20 हेतु वीस को पुनर्विचार किया जाता है तो वीस की तदनुसार रई लागू होगी।

- ✓ संस्था को (उपरोक्त) प्राथमिक शिक्षा समितियों तथा जन समितियों, संस्थाओं को संबद्ध किया जाय्य।
- ✓ विनियमावली-2000 की शर्तों का अनुपालन करना होगा।
- ✓ संस्था ने समुदाय प्रवेश परीक्षा परिषद द्वारा आयोजित छात्रों को ही प्रवेश दिया जायेगा। शीटों में रिक्त रह जाने की स्थिति में उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार ही प्रवेश की कार्यवाही की जायेगी।
- ✓ संस्था को समय-समय पर निर्गत शासनादेश के अनुसार विनियम एवं संबद्धता शुल्क जमा करना होगा।
- ✓ संस्था को ए0आर0सी0टी0ई0 से आगामी सत्र हेतु अनुमोदन प्राप्त किया जाय्य आवश्यक होगा।
- ✓ संस्था उत्तर प्रदेश शासन द्वारा बनाये गये विधि/नियमों/अधिनियमों/शासनादेशों/निर्देशों एवं निर्देशक प्राथमिक शिक्षा, उपरोक्त, समुदाय प्रवेश परीक्षा परिषद, उपरोक्त तथा प्राथमिक शिक्षा परिषद, उपरोक्त द्वारा बनाये गये नियमों, विनियमों, आदेशों, निर्देशों का पालन करने के लिये बाध्य होगी।
- ✓ दिल्ली में इन कार्मिकी परामर्शकों की संख्या यदि दोसी.आई. नई दिल्ली से अनुमोदन प्राप्त करने में आसन्न रहती है तो इन संस्था में समस्त स्टाफ/कर्मिक संख्या का होगा और विधिक रूप से किसी भी कर्मिकों के लिये संस्था स्वयं उत्तरदायी होगी। प्राथमिक शिक्षा परिषद, समुदाय प्रवेश परीक्षा परिषद, प्राथमिक शिक्षा निर्देशक एवं प्राथमिक शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश शासन को कोई बात राकर किया जाय्य है तथा दायर गार के संस्था ने का पालन एवं किसी प्रकार की प्रतिपूर्ति सस्ती आदेश निर्गत किया जाय्य है तो समस्त प्रतिपूर्ति संबंधित संस्था को करनी होगी।
- ✓ दिल्ली में इन कार्मिकी परामर्शकों संबंधित करने वाली संस्थाओं को समुदाय प्रवेश परीक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश न्यूनतम द्वारा प्रत्येक वर्ष के लिये आयोजित प्रवेश परीक्षा हेतु कार्यान्वितित प्राप्त होने के पूर्व ए0आर0सी0टी0ई0 से अनुमोदन प्राप्त कर परिषद कार्यालय को उपलब्ध कराना होगा अन्यथा उन्हें प्रवेश की (कार्यान्वितित) के माध्यम से अध्यापक संस्था स्तर पर लिये प्रवेश) अनुमोदित नहीं प्रदान की जायेगी।
- ✓ उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रवेश हेतु निर्गत न्यूनतम आवश्यक नियमों का अनुपालन करना आवश्यक होगा।
- ✓ संस्था को अपने वेबसाइट पर संस्था की समस्त सूचनाएं जैसे संस्था की ऐतिहासिक प्रतिष्ठा, स्टाफ, साज-सज्जा, उपकरण-प्रदाय किया जाने वाला शुल्क, छात्रावास शुल्क आदि का विवरण उपलब्ध कराना होगा।
- ✓ संस्था को विवरण-परिचालन हेतु उपरोक्त परामर्शकों उपलब्ध करने के साथ शीघ्र मिलने के संस्था में समस्त आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करनी होगी।
- ✓ संस्था यह सुनिश्चित हो ले कि संस्था में प्रशासिक/सहायिक परामर्शकों को पत्राचार करने हेतु नियमित समिति के माध्यम उपलब्ध कराये गये अधिलेख सुनि-पत्र, कर्मिक, उपकरण इत्यादि का यदि संस्था द्वारा किसी अन्य परामर्शकों के माध्यम में प्रयोग किया जाता है और परिषद को इनको जलवाही होती है कि संस्था उपरोक्त का प्रयोग किसी अन्य जगह के लिए कर रही है तो उपलब्ध संस्था की समझौता समस्त किये जाने की अनुमति की जायेगी।
- ✓ संबद्धता शर्तों का अनुपालन न किये जाये अध्यापक शर्तों का उल्लंघन किये जाने की स्थिति में विनियमावली अनुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जायेगी।

(राजीव कुमार मिश्र)  
ऑफिस

एड् दिनांक 15-5-2019

सूचना- प्रशिक्षण/परिचालन संख्या/2019/1130-2202  
प्रीतिश्रिनि-प्रधानाचार्य/निदेशक, शिक्षा असेसमेंट और कार्मिकी विभाग, उत्तर प्रदेश, एनई रोड, एनई  
एनएच, फतेहगढ़, एनई, फतेहगढ़-273303

(राजीव कुमार मिश्र)  
ऑफिस

**कार्यालय,  
सचिव, प्राविधिक शिक्षा परिषद,  
उत्तर प्रदेश लखनऊ।**

संख्या:- प्राशिप/परिषद सम्बद्धता/2020/1971

लखनऊ दिनांक: 15-9-2020

**-कार्यालय ज्ञाप-**

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली/कार्मेली कार्यालय ऑफ इन्डिया, नई दिल्ली द्वारा शैक्षिक सत्र 2020-21 हेतु डिप्लोमा स्तरीय तकनीकी शिक्षण संस्थाओं को अनुमोदन प्रदान किए जाने के उपरान्त प्राविधिक शिक्षा परिषद, उ०प्र० लखनऊ से सम्बद्धता/सम्बद्धता विस्तार प्रदान किए जाने हेतु दिनांक 14-9-2020 को अध्यक्ष प्राविधिक शिक्षा परिषद, उ०प्र० लखनऊ की अध्यक्षता में परिषद कार्यालय में बैठक सत्र हुई। बैठक में समिति द्वारा सत्र 2020-21 हेतु आवेदित नई संस्थाओं को सम्बद्धता/पूर्व से अद्यतित संस्थाओं को सम्बद्धता विस्तार/पाठ्यक्रम/प्रवेश क्षमता वृद्धि सहित अन्य नवीं पर विचार करते हुए सत्र 2020-21 हेतु सम्बद्धता प्रदान किये जाने का निर्णय लिया गया।

उक्त के अनुक्रम में सम्बद्धता समिति की बैठक के मद्-3 में डिप्लोमा इन कार्मेली पाठ्यक्रम संचालित करने वाली पूर्व से सम्बद्ध संस्थाओं का प्रकल्प रखा गया। सम्बद्धता समिति द्वारा गहन विचार-विमर्श कर निम्नलिखित निर्णय लिया गया -

मिजी क्षेत्र में स्थापित डिप्लोमा इन कार्मेली पाठ्यक्रम संचालित करने वाली संस्थाएं, जो प्राविधिक शिक्षा परिषद, उ०प्र० लखनऊ से पूर्व से सम्बद्ध हैं, एवं सत्र 2020-21 हेतु पीसीआईओ द्वारा उन्हें कथारत अनुमोदन विस्तार प्रदान किया गया है। इन संस्थाओं में पीसीआईओ द्वारा प्रदान किये गये अनुमोदन विस्तार के अनुसार उनके नाम के सम्मुख अंकित पाठ्यक्रम/प्रवेश क्षमता के साथ सत्र 2020-21 हेतु परिषद से सम्बद्धता विस्तार प्रदान किये जाने पर समिति द्वारा विचार-विमर्श किया गया एवं सर्वसम्मति से पीसीआईओ द्वारा प्रदत्त अनुमोदन विस्तार के अनुक्रम में सत्र 2020-21 हेतु परिषद से सम्बद्धता विस्तार दिये जाने का निर्णय लिया गया।

दिनांक 14-08-2020 को आहूत सम्बद्धता समिति की बैठक में लिये गये उपरोक्त निर्णय के अनुक्रम में निम्न संस्था को प्राविधिक शिक्षा परिषद, उ० प्र० लखनऊ द्वारा सत्र 2020-21 हेतु निम्नांकित शर्तों के अधीन पाठ्यक्रम एवं उसमें अंकित प्रवेश क्षमता हेतु सम्बद्धता विस्तार प्रदान की जाती है :-

क्र. सं.	संस्था कोड	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम का नाम	पीसीआईओ द्वारा सत्र 2020-21 में अनुमोदित प्रवेश क्षमता	पीसीआईओ /परिषद द्वारा सत्र 2020-21 में अनुमोदित प्रवेश क्षमता
1	4104	दिव्या कॉलेज ऑफ कार्मेली, दिल्ली-दुर्गा दुर्गा चौर रोड, लखनऊ-कटहरा, परगना-इंदौर, नवाशहरा।	डिप्लोमा इन कार्मेली	80	80

**सम्बद्धता हेतु शर्तें**

- ✓ संस्था ए०आई०सी०टी०आई०/पीसीआईओ द्वारा निर्धारित की गयी शर्तों का पूर्णतः पालन करेगी।
- ✓ संस्था उत्तर प्रदेश प्राविधिक शिक्षा परिषद एक्ट 1962 तथा प्राविधिक शिक्षा परिषद विनियमकारी-1962 सेपरेट विधिवत्माधारी-2016 तथा अन्य निर्दिष्ट विधियों एवं अधिनियमों का अनुपालन करेगी तथा शुल्क निर्धारण समिति द्वारा निर्धारित शुल्क तीन वर्षीय इजीओ पाठ्यक्रमों हेतु रु० 20,150.00/- प्रतिवर्ष, दो वर्षीय कार्मेली पाठ्यक्रम हेतु रु० 45,000.00/- प्रतिवर्ष एवं एक तथा दो वर्षीय पाठ्यक्रमों (दो वर्षीय कार्मेली पाठ्यक्रम के अतिरिक्त) हेतु रु०-22,500.00 प्रतिवर्ष शुल्क की प्रत्येक छात्र/छात्रा से प्राप्य किया जाएगा। उपरोक्त की अतिरिक्त छात्र/छात्राओं से शुल्क की संख्या में समय-समय पर आदान द्वारा निर्गत किये जाने वाले आसपास प्रकृति होने और तदनुसार कार्यवाही किए

*(Handwritten Signature)*

जाना आवश्यक होगा। फीस निर्धारण समिति द्वारा यदि सत्र 2020-21 हेतु फीस का पुनर्निर्धारण किया जाता है, तो फीस की नवीनतम दर लागू होगी।

- ✓ संस्था को (उ0प्र0 प्राथमिक शिक्षा समितियाँ तथा उप समितियाँ संस्थाओं को सम्बद्ध किया जाना) विनियमावली-2000 की शर्तों का अनुपालन करना होगा।
- ✓ संस्था में संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद द्वारा आपटिन छात्रों को ही प्रवेश दिया जायेगा। सीटों के रिक्त रह जाने की स्थिति में उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार ही प्रवेश की कार्यवाही की जायेगी।
- ✓ संस्था को समय-समय पर निर्गत शासनादेश के अनुसार निरीक्षण एवं सम्बद्धता शुल्क जमा करना होगा।
- ✓ संस्था को ए0आई0सी0टी0आई0/पी0सी0आई0 से जाननी सत्र हेतु अनुमोदन प्राप्त किया जाना आवश्यक होगा।
- ✓ संस्था उत्तर प्रदेश शासन द्वारा बनाये गये विधि/नियमों/अधिनियमों/शासनादेशों/निर्देशों एवं निदेशक, प्राथमिक शिक्षा, उ0प्र0, संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद, उ0प्र0 तथा प्राथमिक शिक्षा परिषद, उ0प्र0 द्वारा बनाये गये नियमों, विनियमों, आदेशों, निर्देशों का पालन करने के लिये काम करेगी।
- ✓ डिप्लोमा इन कॉमर्सी पाठ्यक्रम की संस्थाएँ यदि पीसीआई, नई दिल्ली से अनुमोदन प्राप्त करने में असफल होती हैं तो इस संबंध में समस्त उत्तरदायित्व संस्था का होगा और विधिक रूप से किसी भी कार्यवाही के लिए संस्था स्वयं उत्तरदायी होगी। प्राथमिक शिक्षा परिषद, संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद, प्राथमिक शिक्षा निदेशालय एवं प्राथमिक शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश शासन को कोई बंध बांधर किया जाता है तथा समय-समय के संबंध में भा. शासनात्मक द्वारा किसी प्रकार की प्रतिपूर्ति संबंधी आदेश निर्गत किया जाता है तो समस्त प्रतिपूर्ति संबंधित संस्था को करनी होगी।
- ✓ डिप्लोमा इन कॉमर्सी पाठ्यक्रम संचालित करने वाली संस्थाओं को संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा हेतु काउन्सिलिंग प्रारंभ होने के पूर्व पी0सी0आई0 से अनुमोदन प्राप्त कर परिषद कार्यालय को उपलब्ध कराना होगा अन्यथा उन्हें प्रवेश की (काउन्सिलिंग के माध्यम से अथवा संस्था स्तर पर सीधे प्रवेश) अनुमति नहीं प्रदान की जायेगी।
- ✓ उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रवेश हेतु निर्गत नवीनतम आश्रय नियमों का अनुपालन करना आवश्यक होगा।
- ✓ संस्था को अपने वेबसाइट पर संस्था की समस्त सूचनाएँ जैसे संस्था की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, स्टाफ, साज-सज्जा, उपकरण, प्राप्त किया जाने वाला शुल्क, छात्रावास शुल्क आदि का विवरण उपलब्ध कराना होगा।
- ✓ संस्था को शिक्षण-परिभाषण हेतु उपयुक्त माता-पिता उपलब्ध कराने के साथ शैक्षणिक सत्रों के संचालन में समस्त आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी।
- ✓ संस्था यह सुनिश्चित करे कि संस्था में प्रस्तावित/संचालित पाठ्यक्रम को चलाने हेतु निरीक्षण समिति के समक्ष उपलब्ध कराये गये अभिलेख, भूमि-भवन, कर्मचार, उपकरण इत्यादि का यदि संस्था द्वारा किसी अन्य पाठ्यक्रम को संचालन में प्रयोग किया जाता है और परिसर को इसकी जानकारी होती है कि संस्था उपरोक्त का प्रयोग किसी अन्य कार्य के लिए कर रही है तो संज्ञात संस्था की सम्बद्धता समाप्त किये जाने की अनुमति की जायेगी।
- ✓ सम्बद्धता शर्तों का अनुपालन न किये जाने अथवा शर्तों का उल्लंघन किये जाने की स्थिति में निरन्तर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।

(100 अक्षरों में)  
सचिव

पृष्ठसं- प्राथिप/परिषद सम्बद्धता/2020/ 1972-3141

सद दिनांक: 15-09-2020

प्रतिनिधि-प्रधानाचार्य/निदेशक, शिक्षा वीजेज जीक कॉमर्सी, वीजेज-जुगत दुर्गाई उर्फ बेहारी, साप्पा-कटहरा, परगना-इबेती, महाराजगंज।

(100 अक्षरों में)  
सचिव

कार्यालय,

राष्ट्रीय प्राविधिक शिक्षा परिषद,

उत्तर प्रदेश लखनऊ।

संख्या:- प्राशिपा/परिषद सम्बद्धता/2021/3537

लखनऊ- दिनांक- 09/08/2021

कार्यालय ज्ञापन:-

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली/पारमैसी काउन्सिल ऑफ इन्जिनियर्स, नई दिल्ली द्वारा वार्षिक सत्र 2021-22 हेतु डिप्लोमा स्तरीय तकनीकी शिक्षण संस्थाओं को अनुमोदन प्रदान किए जाने के उपरान्त प्राविधिक शिक्षा परिषद, उ०प्र० लखनऊ से सम्बद्धता/सम्बद्धता विस्तार प्रदान किए जाने हेतु दिनांक- 08/08/2021 को परिषद कार्यालय में सम्बद्धता समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में समिति द्वारा सत्र 2021-22 हेतु आवेदित नई संस्थाओं को सम्बद्धता पूर्व से संचालित संस्थाओं को सम्बद्धता विस्तार/ पाठ्यक्रम/ प्रवेश क्षमता वृद्धि सहित अन्य मती पर विचार करते हुए सत्र 2021-22 हेतु सम्बद्धता/ सम्बद्धता विस्तार प्रदान किये जाने का निर्णय लिया गया।

सम्बद्धता समिति की बैठक में लिये गये निर्णय के अनुक्रम में निम्न संस्था को प्राविधिक शिक्षा परिषद, उ० प्र० लखनऊ द्वारा सत्र 2021-22 हेतु निम्नलिखित शर्तों के अधीन पाठ्यक्रम एवं उसमें अंकित प्रवेश क्षमता हेतु सम्बद्धता विस्तार प्रदान की जाती है:-

संस्था का कोड एवं नाम : 4104-DIVYA COLLEGE OF PHARMACY,VILL- JUNGAL DUDHAJ URF CHEHARI,TAPPA-KATHARA,PARGANA-HAVELI,MAHARAJGANJ-273303

क्र०सं०	पाठ्यक्रम का नाम	ए०आई०सी०टी०ई०/पी०सी०आई० द्वारा सत्र 2021-22 हेतु अनुमोदित प्रवेश क्षमता	परिषद द्वारा सत्र 2021-22 हेतु अनुमोदित प्रवेश क्षमता
1	DIPLOMA IN PHARMACY	60	60

सम्बद्धता हेतु शर्तें

- ✓ संस्था ए०आई०सी०टी०ई०/पी०सी०आई० द्वारा निर्धारित की गयी सभी शर्तों का पूर्णतः पालन करेगी।
- ✓ संस्था उत्तर प्रदेश प्राविधिक शिक्षा परिषद एक्ट 1962 तथा प्राविधिक शिक्षा परिषद विनियमवली 1962, सेमेस्टर विनियमवली-2016 तथा अन्य निर्मित नियमों एवं आदेशों का अनुपालन करेगी तथा शुल्क निर्धारण समिति द्वारा निर्धारित शुल्क तीन वार्षिक इन्टींग पाठ्यक्रमों हेतु ₹० 30150.00/- प्रतिवर्ष, दो वार्षिक पारमैसी पाठ्यक्रम हेतु ₹०- 45000.00/- प्रतिवर्ष एवं एक तथा दो वार्षिक पाठ्यक्रमों (दो वार्षिक पारमैसी पाठ्यक्रम के अतिरिक्त) हेतु ₹०-22500.00/- प्रतिवर्ष शुल्क ही प्रत्येक छात्र/छात्रा से प्राप्त किया जायेगा। उपरोक्त के अतिरिक्त छात्र/छात्राओं से शुल्क के सम्बन्ध में समय-समय पर शासन द्वारा निर्मित किये जाने वाले शासनादेश प्रभावी होंगे, और तदनुसार कार्यवाही किया जाना आवश्यक होगा। वीस निर्धारण समिति द्वारा यदि सत्र 2021-22 हेतु वीस का पुनर्निर्धारण किया जाता है, तो वीस की नवीनतम दर लागू होगी।
- ✓ संस्था को (उ०प्र० प्राविधिक शिक्षा समितियां तथा उप समितियां, संस्थाओं को सम्बद्ध किया जमत) विनियमवली-2000 की शर्तों का अनुपालन करना होगा।
- ✓ संस्था में संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद द्वारा आवेदित छात्रों को ही प्रवेश दिया जायेगा। शीटों के रिक्त रह जाने की स्थिति में उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार ही प्रवेश की कार्यवाही की जायेगी।
- ✓ संस्था को समय-समय पर निर्मित शासनादेश के अनुसार निरीक्षण एवं सम्बद्धता शुल्क जमा करना होगा।
- ✓ संस्था को ए०आई०सी०टी०ई०/पी०सी०आई० से आगामी सत्र हेतु अनुमोदन प्राप्त किया जाना आवश्यक होगा।
- ✓ संस्था उत्तर प्रदेश शासन द्वारा बनाये गये विधि/नियमों/अधिनियमों/शासनादेशों/निर्देशों एवं निर्देशक, प्राविधिक शिक्षा, उ०प्र०, संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद, उ०प्र० तथा प्राविधिक शिक्षा परिषद, उ०प्र० द्वारा बनाये गये नियमों, विनियमों, आदेशों, निर्देशों का पालन करने के लिये बाध्य होगी।
- ✓ डिप्लोमा इन पारमैसी पाठ्यक्रम की स्थापना यदि पी.सी.आई. नई दिल्ली से अनुमोदन प्राप्त करने में असफल रहती है तो इस संबंध में शासन



उत्तरदायित्व संस्था का होगा और विधि का रूप से किसी भी कार्यवाही के लिए संस्था स्वयं उत्तरदायी होगी। प्राविधिक शिक्षा परिषद, संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद, प्राविधिक शिक्षा निदेशालय एवं प्राविधिक शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश शासन को कोई काद टापर किया जाता है तथा टापर काद के संबंध में मा. न्यायालय द्वारा किसी प्रकार की प्रतिपूर्ति संबंधी आदेश निर्गत किया जाता है तो समस्त प्रतिपूर्ति संबंधित संस्था को करनी होगी।

- ✓ डिप्लोमा इन फार्मसी पाठ्यक्रम संचालित करने वाली संस्थाओं को संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा प्रत्येक वर्ष के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा हेतु काउन्सिलिंग प्रारंभ होने के पूर्व पी0सी0आर0ए0 से अनुमोदन प्राप्त कर परिषद कार्यालय को उपलब्ध कराना होगा अन्यथा उन्हें प्रवेश की (काउन्सिलिंग के माध्यम से अथवा संस्था स्तर पर सीधे प्रवेश) अनुमति नहीं प्रदान की जायेगी।
- ✓ उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रवेश हेतु निर्गत नवीनतम आरक्षण नियमों का अनुपालन करना आवश्यक होगा।
- ✓ संस्था को अपने वेबसाइट पर संस्था की समस्त सूचनाएँ जैसे संस्था की ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि, स्टाफ, साज-सज्जा, उपकरण, प्राप्त किया जाने वाला शुल्क, छात्रावास शुल्क आदि का विवरण उपलब्ध कराना होगा।
- ✓ संस्था को शिक्षण-प्रशिक्षण हेतु उपयुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के साथ रेगिमेंट रोड के सम्बन्ध में समस्त आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी।
- ✓ संस्था यह सुनिश्चित हो ले कि संस्था में प्रस्तावित/ संचालित पाठ्यक्रम को चलावे जाने हेतु निरीक्षण समिति के समस्त उपलब्ध करावे गये अभिलेख, भूमि-भजन, पत्नीघर, उपकरण इत्यादि का यदि संस्था द्वारा किसी अन्य पाठ्यक्रम के संचालन में प्रयोग किया जाता है और परिषद को इसकी जानकारी होती है कि संस्था उपरोक्त का प्रयोग किसी अन्य कार्य के लिए कर रही है तो तत्काल संस्था की सम्बद्धता समाप्त किये जाने की अनुमति की जायेगी।
- ✓ संस्था के स्थलीय निरीक्षण दौरान यदि संस्था में भूमि, भजन, प्रयोगशाला, उपकरण एवं अन्य साज-सज्जा ए0आर0सी0टी0ए0पी0सी0आर0ए0 परिषद के मानकानुसार उपलब्ध नहीं पाया जाता है तो संस्था की सम्बद्धता समाप्त कर दी जायेगी।
- ✓ सम्बद्धता शर्तों का अनुपालन न किये जाने अथवा शर्तों का उल्लंघन किये जाने की स्थिति में नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।

(सुनील कुमार शीतल)

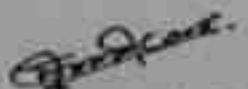
हपिय

दिनांक: 09/08/2021

पू0स0- प्राविधि/परिषद सम्बद्धता/2021/3538-4809

प्रतिलिपि:-

प्रधानाचार्य/निदेशक, DIVYA COLLEGE OF PHARMACY, VILL.- JUNGAL DUDHAI URF CHEHARI, TAPPA-  
KATHARA, PARGANA-HAVELI, MAHARAJGANJ-273303



(सुनील कुमार शीतल)

हपिय